वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 84 | शनिवार 22 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विस्थापन की टीस को दर्शाता नाटक 'पार्क'

कहानी के पात्रों ने दर्शकों को खूब हंसाया, कॉमिक अंदाज में उठाए कई सवाल

जयपुर. कासं। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रवीन्द्र मंच और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान की ओर से आयोजित टैगोर थिएटर के तहत मानव कौल की ओर से लिखित नाटक 'पार्क' को प्रस्तुत किया गया। नाटक का निर्देशन शहर के युवा रंगकर्मी शिवांकर पाण्डे ने किया। नाटक में विस्थापन और अपमान के आघात नजर आया। यह एक पार्क में तीन लोगों के बीच अपनी जगह के लिए लड़ने की कॉमेडी है। तीन बेंच हैं लेकिन पर्याप्त जगह नहीं। एक व्यक्ति अपने डॉक्टर के इंतजार करते हुए दो अजनबियों से भाग्यवादी मुलाकात होने के बाद अपनी बेंच को लेकर खुद को एक बहस में हिस्सेदार पाता है।

एक्सपर्ट्स ने सही करियर ऑप्शन पर चर्चा की

बेटियों को मिला कल्पना चावला मेमोरियल अवॉर्ड, बेहतर करियर ऑप्शन की मिली सीख

जयपुर. कासं। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज में गुरुवार को कल्पना चावला मेमोरियल अवॉर्ड और करियर काउंसिल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को मेडल-सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, प्रधानाचार्य डॉ. नेहा पांडे, डॉ. एकता पारीक, एसडी जोया और डॉ. शिखा गुप्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे। मौके पर कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने विद्यार्थियों को सही करियर चुनने के तरीके बताते हुए कहा कि हमें उसी विषय में आगे बढ़ना चाहिए, जिसमें हमें रुचि हो। सभी विभागाध्यक्षों ने छात्राओं को अलग-अलग विषयों जैसे साइंस, जर्नलिज्म, कॉमर्स, आर्टस, आईटी और फैशन के बारे में जानकारी दी। साथ ही डॉ. शिखा गुप्ता ने सम्यक इंस्टीट्यूट के बारे में बताते हुए आरएएस, आईएएस जैसी सिविल सेवा की परीक्षाओं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी दी।

विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरा, मंत्री गुढ़ा बर्खास्त

राजस्थान में महिलाओं की सुरक्षा में फेल बताया था, अब बड़ा खुलासा करेंगे

जयपुर. कासं

राजस्थान के ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को शुक्रवार रात मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सिफारिश को राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंजूर कर लिया। राजेंद्र सिंह गुढ़ा लंबे समय से सीएम गहलोत और सरकार के खिलाफ बयान दे रहे थे। बर्खास्तगी के बाद गुढ़ा बोले- राजस्थान महिला अत्याचार में नंबर वन है और यह कारनामा गहलोत सरकार के कार्यकाल में हुआ है। यह सच है और मुझे सच बोलने की सजा मिली है। गुढ़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में न्यूनतम आय गारंटी बिल पर बहस के दौरान अपनी ही सरकार पर महिला सुरक्षा में फेल होने का आरोप लगाया था। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराई थीं। इस पर गुढ़ा ने कहा- राजस्थान में इस बात में सच्चाई है कि हम महिलाओं की सुरक्षा में विफल हो गए हैं। राजस्थान में जिस तरह से महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं, ऐसे में हमें मणिपुर की

बजाय अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। गुढ़ा की बर्खास्तगी के बाद अब गहलोत मंत्रिपरिषद में एक मंत्री की जगह खाली हो गई है। अब कैबिनेट में फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। नेता प्रतिपक्ष राठौड़ बोले थे- मंत्री ने सरकार की कलई खोल दी मंत्री गुढ़ा के आरोप पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा था- सरकार संविधान के आर्टिकल 164(2) के तहत सामूहिक जिम्मेदारी से चलती है। हमारे संविधान में लिखा है कि सरकार का एक मंत्री बोलता है तो इसका मतलब पूरी सरकार बोल रही है। मंत्री ने सरकार की कलई खोल दी है। मैं उनको बधाई दूंगा, लेकिन यह शर्मनाक बात है।

हाईकमान से सलाह लेकर बर्खास्तगी का फैसला

राजेंद्र गुढ़ा पिछले करीब एक साल से पार्टी लाइन से अलग जाकर कई बार बयान दे चुके थे। पार्टी में एक्शन लेने के लिए शुक्रवार को सबसे बड़ा आधार तय हो गया था। गुढ़ा ने मणिपुर मामले की जगह राजस्थान सरकार को अपने गिरेबां में झांकने की सलाह देकर विवाद बढ़ा दिया। गुढा के विधानसभा में दिए बयान को बीजेपी ने आधार बनाकर मणिपुर के काउंटर में पेश करना शुरू कर दिया। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने तत्काल दिल्ली रिपोर्ट भेजी, हाईकमान से बात की। साथ ही गहलोत ने भी हाईकमान से सलाह ली, इसके बाद ग्रीन सिग्नल मिलते ही गुढ़ा के विधानसभा में दिए बयान के कुछ ही देर बाद उन्हें बर्खास्त करने की फाइल राजभवन भिजवा दी। गुढ़ा ने 15 जून को पायलट की सभा में कहा था- हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड तोड़े। पेपरलीक के खिलाफ सचिन पायलट की अजमेर से जयपुर यात्रा के समापन के दिन 15 मई को राजेंद्र गुढ़ा ने सरकार पर खुलकर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

जैन मुनि आचार्य कामकुमार नंदी जी की निर्मम हत्या के विरोध में श्री महावीरजी में किया अहिंसात्मक मौन प्रदर्शन

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में जैन मुनि आचार्य श्री काम कुमार नंदी जी की निर्मम हत्या के विरोध में विशाल अहिंसात्मक विरोध प्रदर्शन जुलूस निकाला गया। विगत दिनों कर्नाटक में घटित घटना के विरोध में संपूर्ण भारत वर्ष में जैन समाज द्वारा आज 20 जुलाई को अहिंसात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें सभी जैन प्रतिष्ठान बंद रहे श्री महावीरजी मुख्य मंदिर के प्रवचन भवन में दिगंबर जैन पंचायत सकल समाज, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, भारतीय जैन महासभा, चंदनबाला महिला मंडल, सृष्टि महिला मंडल एकत्रित हुए। पंडित मुकेश जैन शास्त्री ने कहा कि कर्नाटक मे घटित आचार्य श्री काम कुमार नंदी जी की निर्मम हत्या के विरोध में अहिंसात्मक मौन जुलूस मुख्य मंदिर से तहसीलदार भवन तक निकाला जाएगा। मौन जुलूस के माध्यम से सरकार के समक्ष विरोध दर्ज कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी व कड़ी सजा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा जिसमें जुलूस में बुजुर्ग युवा ०महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल हुए मौन जुलूस प्रातः 11:00 बजे बाजार मुख्य मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार से होते हुए तहसील परिसर पहुंचा जहां सकल जैन समाज के मंत्री संजय छाबड़ा ने तहसीलदार की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया और कहा कि विगत दिनों ही कर्नाटक प्रांत के बेलगाम जिले में एक अजैन व मुस्लिम द्वारा श्रमण उन्नायक मुनि को दिल दहला देने वाली क्रूरता पूर्वक बेरहमी से दर्द नायक यातना के साथ करंट लगाकर हत्या करने के बाद 9 टुकड़े कर 400 फीट गहरे बोरवेल में डाल दिया गया यह अक्षम अपराध है जिसे माफ नहीं किया जा सकता प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति जी से निवेदन है कि वह इस पर कार्यवाही करें इसे कृत्य की फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चले और इसकी निष्पक्ष जांच हो और सरकार तहे तक पहुंचे कि जैन मुनि की हत्या क्यों दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले। भारत में जैन धर्म, जैन तीर्थ और साधु साध्वियो की सुरक्षा के लिए संरक्षण बोर्ड की स्थापना हो जैन साधु साध्वियो को पैदल बिहार में सरकार सुरक्षा प्रदान करें जैन मुनियों के बिहार के लिए ठहराव स्थल बनाए जाएं इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन श्री महावीरजी मंदिर कमेटी के मैनेजर नेमी कुमार पाटनी, विकास पाटनी, पंडित मुकेश जैन शास्त्री, महेश कासलीवाल, दिनेश कुमार जैन, विमल पांडया, संजय जैन, विकास जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन, संजय जैन, अरविंद जैन, अविनाश जैन, सोनू सेठी , मोनू सेठी, महावीर जैन, विक्रांत जैन व जैन समाज के सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का राजस्थान में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

तिजारा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणी श्री 105 ज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा से एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चन्दनामती माताजी के मार्गदर्शन में अयोध्या तीर्थ के प्रचार-प्रसार हेतु अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का तिजारा क्षेत्र पर राजस्थान प्रदेश में धर्म प्रभावना हेतु उद्घाटन एवं मंगल प्रवेश 21 जुलाई 2023 को प्रातः 8:30 बजे श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तिजारा जी में कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्ति श्री रवींद्रकीर्ति स्वामी जी के सानिध्य में हुआ। मंगलाचरण प्रतिष्ठाचार्य विजयकुमार जैन हस्तिनापुर ने किया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलनअयोध्या रथ प्रवर्तन समिति के संयोजक डॉ. जीवन प्रकाश जैन हस्तिनापुर, उदयभान जैन जयपुर, दिलीप जैन जयपुर, प्रदेश अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, भरत स्थली दिल्ली के अध्यक्ष अतुल जैन आदि ने किया।

इस अवसर पर रथ प्रवर्तन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि अयोध्या में गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए सभी से अपील की कि विकास कार्यों में प्रत्येक परिवार जुडकर सहयोग करें एवं अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के दर्शनार्थ यात्रा का कार्यक्रम अवश्य बनायें।

अतिथियों का स्वागत अतिशय क्षेत्र प्रबन्ध समिति के मुकेश जैन,अनिल जैन,नरेन्द्र जैन, राकेश जैन आदि पदाधिकारियों ने किया। इस अवसर पर रथ प्रवर्तन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि अयोध्या में गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए सभी से अपील की कि विकास कार्यों में प्रत्येक परिवार जुडकर सहयोग करें एवं अयोध्या तीर्थ क्षेत्र के दर्शनार्थ यात्रा का कार्यक्रम अवश्य बनायें। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष मुकेश जैन ने अवगत कराया कि धर्म सभा के बाद अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का प्रवर्तन हनुमान जी बगीची, होली टीबा, बिजली घर चौराहा होते हुए नसिया जी तक हुआ , रथ प्रवर्तन में महिलाएं कलश लेकर रथयात्रा के आगे-आगे चल रही थी । इस अवसर पर रथयात्रा में सोधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य मनोज कुमार जैन तिजारा , कुबेर इंद्र बनने का हुकुम चंद जैन तिजारा , आरती करने का सौभाग्य विनोद जी,अतुल जैन,विजय जैन, राकेश जैन, भरत स्थली दिल्ली को,पालना झुलाने का सौभाग्य तिजारा के नवग्रह महिला मंडल, ज्ञान महिला मंडल और पारसनाथ महिला मंडल को मिला। इस अवसर पर तिजारा क्षेत्र के अध्यक्ष मुकेश कुमार जैन , राकेश कुमार जैन पारसनाथ मंदिर अध्यक्ष नरेंद्र जैन,वरुण जैन,नरेश जैन,अनिल जैन,भारत भूषण जैन,योगेश जैन व अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद तिजारा के अध्यक्ष आशीष जैन,उमंग जैन जैन,ऋषभ जैन, तुषार जैन, व युवा मंडल के सदस्य कपिल जैन अमन जैन अक्षत जैन व समस्त महिला मंडल आदि मौजूद रहे। सभा का संचालन प्रतिष्ठाचार्य विजय जैन एवं सत्येन्द्र जैन ने किया। सभी का आभार अतिशय क्षेत्र समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन ने किया। तत्पश्चात यह रथ प्रवर्तन हेतु फिरोजपुर झिरका, के लिए रवाना हो गया।

बारां में विशाल रैली, मौन जुलूस

बारां. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महा समिति महिला संभाग बाराँ की अध्यक्ष चन्द्र कला सेठी ने बताया कि कल दिनांक 20 जुलाई को आचार्य काम कुमार नन्दी जी महाराज की नृशंस हत्या के विरोध में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा सम्पूर्ण बारां बंद ,मौन रैली व ज्ञापन दिया गया। सचिव सरला जैन ने बताया कि इसमें सभी आयोजन में महासमिति की मुख्य भूमिका रही। जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए भी महासमिति की करीब 20 सदस्याएं कलेक्टरेट परिसर पहुँची। वहाँ पुरुष महासमिति सचिव शिखर चन्द जैन व अशोक सेठी ने ज्ञापन प्रस्तुत किया। श्रद्धांजलि सभा नगर के मुख्य प्रताप चौक पर की गई। सर्व धर्मों के अध्यक्ष द्वारा इस कृत्य की आलोचना की व सरकार द्वारा सभी धर्मों के साधु साध्वियों की सुरक्षा की उचित व्यवस्था की मांग की गई इसमे समिति से करीब 50 महिला पुरुषों ने भाग लिया।

जैनाचार्य काम कुमार नंदी की हत्या के विरोध में महिला संगठनों ने निकाली रैली

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। कर्नाटक में पिछले दिनों दिगंबर जैन आचार्य कामकुमार नंदी की हत्या के विरोध में इंदौर शहर में कार्यरत दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन महिला संगठनों ने संयुक्त रूप से संतों की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से सकल महिला मोर्चा इंदौर के नेतृत्व में महावीर भवन राजवाड़े से कमिश्नर कार्यालय तक महा मौन रैली निकाली दिगंबर एवं श्वेतांबर महिला संगठनों के सदस्य काफी संख्या में हाथों में काली पट्टी बांधकर एवं हत्या के विरोध एवं संतो की सुरक्षा वाले नारों की तख्तियां लेकर सम्मिलित हुए। रैली के समर्थन एवं मुनि की हत्या के विरोध में दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन समाज , वैश्य समाज, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के प्रतिनिधि एवं समाज जन भी काफी संख्या में सम्मिलित होकर पैदल चल रहे थे। रैली के कमीशनर कार्यालय पहुंचने पर वहां महिला संगठन के पदाधिकारियों ने उपायुक्त को ज्ञापन दिया। रैली के रवाना होने के पूर्व महावीर भवन राजवाड़े पर आचार्य बिहर्ष सागर जी महाराज, श्वेतांबर संत कमल मुनि महाराज के आशीर्वचन हुए । रैली में लगभग 15 महिला संगठनों के प्रतिनिधि सदस्य सम्मिलित हुए। ज्ञापन देते समय महिला परिषद की केंद्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन, मंत्री श्रीमती प्रभा जैन, श्वेतांबर महिला संगठन की श्रीमती रेखा जैन, शकुंतला पावेचा ,परवार महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन एवं पुलकित एवं पुलक पुलकित महिला मंच पुलक मंच दिगंबर जैन समाज महिला संगठन की श्रीमती मंजू अजमेरा, ज्योति गोधा, उषा पाटनी, अनामिका बाकलीवाल, एवं शीतल पहाड़िया आदि महिला नेत्री उपस्थित थी। रैली में विधायक मालिनी गौड़, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा, पार्षद राजीव जैन, पूर्व पार्षद दीपक जैन टीनू जैन, स्वप्निल कोठारी, कांतिलाल बम, अशोक मेहता, अशोक मंडलिक, अनिरुद्ध जैन, डॉक्टर जैनेंद्र जैन राजेश जैन दद्दू पंकज पाटनी अनील जैन को प्रदीप बडजात्या,पारस पांड्या नीरज मोदी आदि समाज के गणमान्य सम्मिलित हुए।

वेद ज्ञान

दुख का मूल

एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया। उसने अपना रथ रुकवा लिया, लेकिन यह क्या राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगे। भिखारी को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या करे। खैर उसने अपनी झोली में हाथ डाला और जैसे-तैसे मन मसोस कर जौ के दो दाने राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। बहरहाल शाम को घर आकर जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण हुआ। उसे इस बात पर बेहद पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। वह समझ गया कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं। समय रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता। यह मात्र कहानी नहीं है। जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई है जिसे जानकर भी हम नहीं जानते जिसे समझ कर भी हम नहीं समझते। अंग्रेजी के विख्यात कवि वड्र्सवर्थ ने अपनी एक कविता में बड़े पते की बात कही है हम दुनिया में इतने डूबे हुए हैं कि प्रकृति से कुछ भी ग्रहण नहीं करते। उस प्रकृति से जो हमारी अपनी है। निन्यानबे के फेर में दुनिया के लेन-देन में अपनी सारी जिंदगी गुजार देते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगाते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाने लगा है। अधिक से अधिक धन बटोरने की एक होड़ सी लगी हुई है। इसी होड़ में जीवन का वास्तविक अर्थ ही गुम होता जा रहा है। दुख का सबसे बड़ा कारण इच्छा या कामना ही है। चाहे हुए का न होना और अनचाहे का हो जाना दुःख का मूल कारण है।

संपादकीय

राज्य सरकार व राज्यपाल के बीच खींचतान

पिछले कुछ समय में अलग-अलग मसलों पर विभिन्न राज्य सरकारों और राज्यपाल के बीच जिस तरह की खींचतान देखी गई है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि ऐसे टकराव का हासिल क्या है और इससे आखिरी तौर पर किसका हित प्रभावित होता है। हाल ही में पंजाब के राज्यपाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिख कर बताया कि पिछले महीने आयोजित विधानसभा का दो-दिवसीय सत्र कानून एवं प्रक्रिया का उल्लंघन था। इसलिए वे इस सत्र के दौरान पारित चार विधेयकों की वैधता को लेकर अटार्नी जनरल यानी महान्यायवादी की सलाह लेने या राष्ट्रपति के पास भेजने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। यानी राज्य विधानसभा में पारित इन विधेयकों के कानून बनने के लिए उस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर का मामला भी इसका कोई हल निकलने तक रुका रहेगा। जाहिर है, राज्यपाल के इस पत्र के बाद राज्य में आम आदमी पार्टी यानी आप सरकार और राजभवन के बीच गतिरोध में और तीव्रता ही आएगी, जो पहले ही कई मुद्दों पर सार्वजनिक होती रही है। इसी कड़ी में आप की ओर से यह दावा किया गया कि राज्यपाल का रुख राज्य की विधानसभा के अधिकार की उपेक्षा करता है और साथ ही यह आम लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश है। सवाल है कि अगर राज्यपाल ने पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठाए हैं, तो क्या उसका कोई कानूनी आधार नहीं है! राज्यपाल ने अपने पत्र में साफ कहा है कि संबंधित सत्र कानून एवं प्रक्रिया का उल्लंघन था। इस आपत्ति का कोई तकनीकी और उचित जवाब देने के बजाय आम आदमी पार्टी की ओर से अगर अपनी दलीलों में भावुकता का सहारा लिया जाता है तो उसे कैसे देखा जाएगा। इसके अलावा, राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच यह टकराव अगर लंबा खिंचता है और इसका असर नीतिगत कार्यक्रमों के अमल में आने या अन्य जटिल हालात पैदा होने से जनता का हित बुरी तरह प्रभावित होता है तो उसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाएगा। यह छिपा नहीं है कि पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और दोनों ही राज्यों में अधिकार क्षेत्र को लेकर राज्यपालों के साथ एक तरह के टकराव में निरंतरता बनी हुई है। दोनों एक दूसरे पर संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते रहे हैं। पंजाब में विधानसभा का सत्र बुलाने, राज्यों के मामलों को चलाने के तरीके, नियुक्तियों और सदन में सरकार को मेरी सरकार कह कर संबोधित करने जैसे मुद्दों पर यह टकराव खुल कर सामने आया है। यों देश के कई राज्यों में राज्यपाल और वहां की सरकार के बीच अलग-अलग वजहों से टकराव के मामले सामने आते रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु, केरल आदि कुछ राज्यों में भी राज्यपालों के रुख की वजह से सरकारों के साथ तीखे टकराव की स्थिति पैदा हुई। लेकिन खासतौर पर दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद शासन के मामले में अधिकारों और सीमाओं को लेकर राज्यपालों के साथ एक विचित्र कड़वाहट का माहौल बना है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हादसों का सिलसिला

इस त्रासदीपूर्ण घटना से यही साबित होता है कि दुर्घटनाओं की शक्ल में ऐसी घटनाएं लगातार होती रहती हैं और उसके बावजूद व्यवस्थागत उदासीनता का सिलसिला कायम रहता है। चमोली में अलकनंदा नदी के किनारे नमामि गंगे परियोजना के तहत जल-मल शोधन संयंत्र में करंट लगने से हुई मौतों में आपराधिक लापरवाही का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मंगलवार रात को ही वहां बिजली की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई थी लेकिन अगले दिन बुधवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे जब मृतक का पंचनामा चल रहा था, तब फिर से वहां लोहे के घेरे में करंट दौड़ गया। उसकी चपेट में मौके पर पुलिसकर्मियों और मृतक के कुछ रिश्तेदारों समेत सोलह लोगों की भी जान चली गई और कई अन्य बुरी तरह घायल हो गए। निश्चित रूप से यह किसी तकनीकी खराबी और उस पर नजर रखने, समय से उसकी मरम्मत करने में व्यापक कोताही की वजह से हुआ हादसा ही होगा, लेकिन इसकी प्रकृति ऐसी लगती है मानो इस लापरवाही की कोई सीमा नहीं थी। सवाल है कि जब रात में करंट की वजह से ही एक व्यक्ति की जान जा चुकी थी, तब उसके कई घंटे के बाद भी वहां अन्य जगह पर बिजली कैसे प्रवाहित हो गई! जबकि यह बुनियादी तकाजा है कि पहली घटना का पता चलते ही सबसे पहले वहां बिजली के संपर्क को पूरी तरह काट दिया जाना चाहिए था। सामान्य स्थितियों में भी अगर बिजली आपूर्ति बाधित होने की मामूली समस्या को दूर करना होता है, कोई मरम्मत करनी होती है तो पहले वहां बिजली का संपर्क काटा जाता है, ताकि किसी धोखे की स्थिति में भी लोग सुरक्षित रहें। लेकिन एक व्यक्ति की जान चले जाने के बावजूद वहां बिजली को पूरी तरह काटना सुनिश्चित नहीं किया गया। इस आपराधिक लापरवाही का नतीजा यह हुआ कि एक व्यक्ति की मौत से दुखी होकर वहां पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जताने पहुंचे कई अन्य लोगों की भी जान चली गई। अब सरकार की ओर से जांच और मुआवजे की घोषणा की गई है, इस घटना पर हर किसी को दुख भी होगा, लेकिन इसमें जिन लोगों का जीवन चला गया, उसकी भरपाई शायद नहीं हो पाएगी। किसी भी हादसे का पहला सबक यह होना चाहिए कि कम से कम उसके बाद ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। किसी परियोजना स्थल या अन्य निर्माण कार्यों के दौरान हादसों के लिहाज से सुरक्षा इंतजामों में किसी गड़बड़ी के बाद उसका तात्कालिक हल तो निकाल दिया जाता है, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझी जाती कि अगर खामी को दुरुस्त करने के ठोस उपाय नहीं किए गए तो इसका खमियाजा और गंभीर रूप में सामने आ सकता है। सुरक्षा इंतजामों में मामूली लापरवाही की भी कीमत किस रूप में सामने आती है, इसके त्रासद उदाहरण आए दिन देखने को मिलते हैं। विडंबना यह है कि ऐसे हादसों का सिलसिला बदस्तूर कायम रहने के बावजूद शायद कोई सबक नहीं लिया जाता है। ऐसे में घटनास्थल पर हुई लापरवाही के लिए वहां तैनात किसी कर्मचारी को जिम्मेदार मान लिया जा सकता है, लेकिन उसके ऊपर के तंत्र में निरीक्षण, जांच आदि करने से जुड़े समूचे तंत्र की क्या ड्यूटी होती है! किसी हादसे के बाद की औपचारिक कार्रवाई से हादसों पर लगाम नहीं लगाई जा सकती।

निर्यापक श्रमण श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

एक हजार मुनियों के आशीर्वाद से अधिक पॉवरफुल होता है पिता के द्वारा बेटे-बेटी के मस्तिष्क पर गंधोदक का हाथ

विनोद छाबड़ा 'मोनू'. शाबाश इंडिया

आगरा। आज तक इतनी अच्छी जिंदगी जीने के बाद भी किस्मत क्यों साथ नही देती, अक्सर वही बात क्यों याद आती है जिन्हें हम याद नही करना चाहते। हमारा ही सगा मन हमारे अनुसार क्यों नही चलता। पराए हमारा कुछ नही बिगाड़ सकते,कोई अपना ही हमारे विरोध में जाता है, हम अपनो से लूट जाते है।लोग दुनिया को वश में करना चाहते है,पहले अपने मन को तो वश में कर ले। आंखे हमारी अपनी है लेकिन ये वो चीजे भी देख लेती है जिन्हें हम देखना नही चाहते। इसी तरह कान, नाक, मुख हर चीज में लगाना। जिस बेटे को माँ-बाप खुली छूट दे देते हैं समझ लेना उस वंश का नाश होना निश्चित है,कलंकित होना निश्चित है जो बाप अपने बेटे का दुश्मन होगा तो बेटे को खुली छूट दे देगा। महानुभाव यदि तुम असली बाप हो तो बेटे को किमिच्छक छूट मत देना। मात्र तुम्हारा एकलौता बेटा है,हम उसका रोना नही देख सकते,वो जो खाने चाहे खायेगा बन्धुओ उसे किमिच्छ खाने की छूट मत देना नही तो एक दिन तुम्हे निपूती होना पड़ेगा। क्योंकि बेटा अपनी इच्छा से क्या क्या खायेगा।बेटा मिट्टी भी खा सकता है।

मुनीम से हिसाब लो या न लो,पर बेटे से हिसाब जरूर लेना। मुनीम से हिसाब नही लोगे तो एक कम्पनी में दिवालिया होंगे लेकिन बेटे से हिसाब नही लिया तो पीढ़ी दर पीढ़ी दिवालिया होगे।

अच्छा पिता बेटों को पैसा देने से पहले पूछता है कि बता किस चीज के लिए चाहिए पहले बजट पेश करवाओ,फिर हिसाब पेश करवाओ। जो बेटा का हिसाब लिए बिना सो जाता है वह बेटे को खो देता है। पहली बात जो बेटे-बेटी के आने के पहले ही पिता सो जाता है उसका बेटा भी खो जाता है।बेटे-बेटी को ये पता होना चाहिए कि जब तक हम नही पुहुचेगे नही तब तक मम्मी पापा सोएंगे नही। बेटा-बेटी जब तक कमरे में भी न सो जाएं तुम्हारी आंख में नींद नही आनी चाहिए।पहले देख लो बेटा सो गया क्या..!! जवान बेटे-बेटियों के बिगड़ने के कारण है पहले नियम होता था कि बच्चे और बच्चियां मम्मी पापा के साथ एक कमरे में सोते थे। 99% माता-पिता बच्चो से अलग सो रहे है। बिगड़ने के बाद पूछा बेटा क्यों बिगड़े आप? तो उन्होंने बताया कि मम्मी पापा सो गए कमरा बंद करके,हम लोग फ्री है। धीरे से खोला और खिसक गये,अब हम कुछ भी करे। इसलिए मैंने कहा कि माँ बाप मत बनना यदि तुम्हे मस्ती के भाव से जीना है तो।जब तक तुम्हे मौज मस्ती से जीना है जियो,माँ बाप मत बनो।माँ बाप बनने के बाद माता पिता बनकर के रहो,माता-पिता बनकर के बाजार में जाओ,माता-पिता की तुम्हारी ड्रेस हो,माता-पिता बनके सोओ,पति पत्नी बनके मत सोओ क्योंकि तुम बाप बन चुके हो,तुम माँ बन चुकी है। तुम्हारे साथ रात भर का सोना,वो ही है बेटा-बेटी की जिंदगी। पूरे शरीर मे सबसे ज्यादा एनर्जी निकलती है,दिन में शरीर मे एनर्जी संग्रह होती है। उस समय बेटे-बेटी तुम्हारे साथ सो रहे है उस समय वो तुम्हारे संस्कार ले रहे है। तुम जैसे हो,तुम्हारे बेटे-बिटिया भी वैसे ही बनेंगे क्योंकि तुम्हारे साथ शयन कर रहे है। 70% बच्चे-बच्चियों के बिगड़ने के कारण है कि बच्चों के सोने का कमरा अलग है और मम्मी पापा के सोने का कमरा अलग। एक हजार मुनियों के आशीर्वाद से अधिक पॉवरफुल होता है पिता के द्वारा बेटे-बेटी के मस्तिष्क पर गंधोदक का हाथ। बस 8 साल लगाओ बेटे की पूरी जिंदगी मंगलमय हो जाएगी। जो माँ अपने बेटे की ओर पीठ करके सो रही हो समझना उसको अपने बेटे से प्यार नही है। जब तुम बेटे बेटियों के होते हुए वेशभूषा पर ध्यान नही रख रहे तो बेटे-बिटिया क्या ध्यान रखेगा तुम्हारा।वो भी खुले कपड़े पहनते है।बेशर्मपना कहा से शुरू हुआ है बेटे बेटियाँ पहले बेशर्म हुए है या दादा दादी, मम्मी पापा। मम्मी पापा,दादा दादी पहले बेशर्म हुए है। बस एक ही चीज देखना है मेरे इस कार्य का बेटे-बेटी से क्या सम्बन्ध है। तुम्हे जो कुछ भी करना है इसका मेरे बच्चो पर क्या प्रभाव पड़ेगा। जो तुम्हे करना है करो और यदि बेटा तुम्हारे इस प्रभाव में आ गया तो क्या तुम्हें मंजूर है। तुम्हे रोना इसलिए पड़ रहा है क्योंकि तुम्हारी भूल है। निर्णय करो कि हम जीयेगे तो बेटे बेटियों के लिए जीयेगे।

संकलन-शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

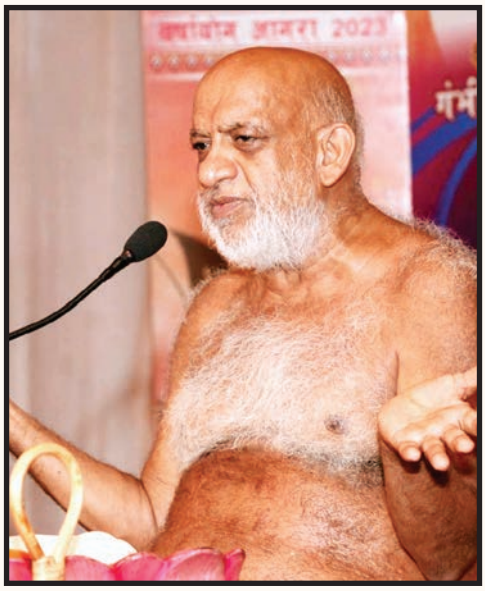

जीवन तो उच्च-विचार निम्न हो रहे, चार महीने वाले नहीं-बारह महीने वाले जैनी बनो: साध्वी दर्शनप्रभाजी

कभी मत करना किसी का घर तुड़वाने का पाप, कर्म कभी पीछा नहीं छोड़ते- साध्वी चेतनाश्रीजी म.सा.

रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनवाणी भवों का बंधन तोड़ चारों गति से पार कराने वाली है। जिनवाणी आपको आत्म हितेषी बन आत्मा के उत्थान, कर्मो की निर्जरा ओर पाप क्षय करने का अनुपम अवसर देती है। जिनवाणी का अर्थ सादा जीवन उच्च विचार है लेकिन आज के युग में हमारा जीवन तो उच्च होता जा रहा पर विचार निम्न होते जा रहे है। आत्मा की अनदेखी कर शरीर को सजाने में लगे है। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में हम जप-तप-साधना करके जैनी बनने का प्रयास करते है लेकिन बाकी महीन हमारे कर्म ऐसे होते है जो जैन दर्शन व सिद्धांतों के अनुरूप नहीं होते है। हमे अपना जैन कुल में जन्म सार्थक करना है तो चातुर्मास के चार महीने वाला नहीं बल्कि 12 महीने वाले जैनी बनकर रहना होगा। उन्होंने कहा कि नियम क्रिया चार माह के लिए नहीं 12 माह के लिए हो। रात्रि भोजन का त्याग चातुर्मास तक क्यों पूरे वर्ष भर क्यों नहीं कर सकते। हम नियम छोड़ अपने धर्म की हानि कर रहे है। साध्वीश्री ने कहा कि बच्चा अपने भाग्य व कर्म से आगे बढ़ता है कभी यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि मेरे बिना काम नहीं चलेगा। हम अपने हितेषी तो खूब बन गए है चातुर्मास ने हमे आत्महितेषी बनने का अवसर दिया है। धर्मसभा में आगममर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा ने कहा कि नियम क्रिया पूर्वक की जाने वाली साधना सार्थक होती है। हमारी बोली हमेशा मीठी होनी चाहिए ओर किसी का दिल तोड़ने वाली बाते नहीं होनी चाहिए। बड़ो में बड़प्पन नहीं होने पर परिस्थितियां विकट हो जाती है।

उन्होंने कहा कि कभी किसी का घर मत तुड़वाना या ऐसी कोई बात मत करना जिससे किसी के परिवार में आपसी दिवारे खड़ी हो जाएंगे। किसी का घर तुड़वाकर इस जन्म में राजी भी हो गए तो याद रखना अगले 100 जन्म तक कर्म तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ने वाले है। हम अपने स्वार्थो के लिए बेटी को उसके सास-ससुर से अलग रहने के लिए प्रेरित करेंगे तो याद रहे कल तुम्हारी बहु भी तुम्हारे साथ ऐसा ही करने वाली है। चेतनाश्री म.सा. ने जब तक खरीद की जरूरत नहीं हो तब तक अस्त्र-शस्त्र सम्बन्धी त्याग का संकल्प भी कराया। इसके तहत काटने वाली चीजों की खरीद व उपयोग से यथासंभव दूर रहना है। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हमारे कर्म आत्मा को पावन बनाने वाले होने चाहिए। कषाय बढ़ाने वाले कर्म करने पर भव-भव दुःख से गुजर जाते है। हम मान, माया, मोह, लोभ, मद आदि कषायों का त्याग करना होगा। पहले आसानी से वैराग्य भाव आ जाता था लेकिन अब तक व्यक्ति सामायिक भी नहीं करना चाहता है। हम अपने बच्चों को भी इस डर से धर्मस्थान से अधिक नहीं जुड़ने देते कि कहीं उनमें वैराग्य भाव नहीं आ जाए। वैराग्य उदय आसान नहीं है यह तो पुण्यवानी से ही आता है। उन्होंने कहा कि धर्म क्रिया करते समय निधन होने पर कभी उसे अपशगुन मान त्यागने की बजाय ये सोचना चाहिए कि सद्गति की प्राप्ति हुई है। साध्वीश्री ने जैन रामायण का वाचन करते हुए बताया कि बालि के संयम जीवन स्वीकार करने के बाद तारा की शादी सुग्रीव से हो जाती है। तारा धर्म में आस्था रखने वाली महान सती होती है। शुरू में आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने भजन ह्यमैं तो जपो सदा तेरा नाम दयालु दया करोह्न की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में तत्वचिंतिका समीक्षाप्रभाजी म.सा., नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में रामगढ़ से आए श्रावकों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका मौजूद थे। चातुर्मास आयोजक श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक होंगे।

पांव की मोच ओर छोटी सोच इंसान को आगे नहीं बढ़ने देती

साध्वी दर्शनप्रभाजी ने हमेशा दिल बड़ा रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि दिल बड़ा रखेंगे तो खुश होकर साधर्मी भी घर आएंगे और दिल संकीर्ण कर लिया तो कोई नहीं आने वाला है। पांव की मोच ओर छोटी सोच इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देती है। हम पैसे से भले छोटे हो पर विचारों से तो बड़े बन सकते है। साध्वीश्री ने कहा कि शरीर के हितेषी बनोंगे तो पाप कर्म होंगे और आत्महितेषी बनेंगे तो दुर्गणों से मुक्त होंगे। व्यर्थ के पापों से बचे, पाप कभी हम सुख प्रदान नहीं कर सकते। वह किसी भी रूप में आकर हमसे बदला ले सकते है। हम पापों के लिए अपने दरवाजे बंद कर देने चाहिए।

त्रिवेणी नगर जैन मंदिर का 28वा त्रिदिवसीय स्थापना दिवस समारोह प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्रिवेणी नगर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का 28वा' त्रिदिवसीय स्थापना दिवस के प्रथम दिन शुक्रवार को हर्ष उल्लास व भक्तिभाव के साथ मनाया गया ।मंदिर समिति के सचिव रजनीश अजमेरा ने बताया कि प्रातः श्रीजी की शोभा यात्रा कलश यात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गो से होती पुनः मंदिर जी पहुंची जहां ध्वजारोहण श्रीमती मैना देवी छाबड़ा दही वाला परिवार ने किया तत्पश्चात श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा हुई जिसका सौभाग्य धर्मश्रेष्ठी राजकुमार पांड्या परिवार को प्राप्त हुआ। शाम को महाआरती हुई ।इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष, महेन्द्र काला डॉ, विनोद जैन राजस्थान जैन सभा के कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, अशोक पाटोदी, सचिन काला, कैलाश सौगानी, लोकेश जैन, नरेंद्र कुमार सेठी, प्रवीण पांडया, अरिहंत जैन राजस्थान जैन सभा के पूर्व अध्यक्ष रतन छाबड़ा, अशोक पापड़ीवाल, महावीर कासलीवाल, पुष्पेन्द्र अजमेरा, सुरेश सेठ,सुभाष काला, अंकुर पाटोदी, एम के जैन, कमल चांदवाड, विमल छाबड़ा, देवेंद्र, जितेंद्र कासलीवाल, सुशील बड़जात्या, सुनील लुहाड़िया, राजेश णमोकार, नितिन, नितेश छाबड़ा, विजय, अजय पांड्या महिला मंडल की अध्यक्षया सन्तोष सौगानी, मंत्री शिमला पापड़ीवाल, मैना देवी पाटनी, बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा व प्रेमलता काला व युवा मंडल के गौरव कासलीवाल, अंशुल बडजात्या सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे। नरेश कासलीवाल ने बताया कि शनिवार को रात्रि में 48 दीपकों से भक्तामर होगा व रविवार को प्रातः पार्श्वनाथ विघ्न हरण विधान के साथ त्रिदिवसीय स्थापना दिवस संपन्न होगा।

मित्र मंडल दल अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

प्रकाश पाटनी। शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर का एक मित्र मंडल दल 21 जुलाई को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। प्रातः मित्र मंडल के सदस्य सुरेंद्र सनाढ्य, राजकुमार जैन, अलका जैन, दिलीप अग्रवाल, आशा अग्रवाल, विनोद खटोड़, उर्मिला खटोड़, प्रदीप शर्मा, हरिकांता शर्मा,को तिलक लगा कर माल्यार्पण द्वारा रेलवे स्टेशन पर परिवारजनों, इष्ट मित्रों ने विदाई देते, उनके सुखद यात्रा की मंगल शुभकामना दी। प्रकाश पाटनी ने बताया कि बर्फ से शिवलिंग का बनना प्राकृतिक हिम से बनने के कारण इसे हिमानी शिवलिंग या बफानीं बाबा भी कहा जाता है। भगवान शिव की पौराणिक शक्ति का प्रतीक है। जो चंद्रमा की कलाओं के साथ सिकुड़ता और बढ़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसका बहुत बड़ा महत्व है। भाग्यशाली ही अमरनाथ की कठिन यात्रा कर पाता है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के भव्य कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स के जयपुर चैप्टर ने आज पिंक सिटी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान के सभी जिलों के बड़े व्यापारीयो ने बड़े जोर शोर से हिस्सा लिया एवं व्यापार के आधुनिक होते तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम जयपुर कैट के अध्यक्ष सचिन गुप्ता के देख रेख में आयोजित किया गया। राजस्थान के सभी जिलो के व्यापारियों को पगड़ी एव माला पहना के स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सुभाष गोयल जो कि कैट राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष है का भव्य स्वागत हुआ। उनको राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ व्यापारी नेता सम्मान से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खण्डेलवाल ने सुभाष गोयल का राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य बनाये जाने पर राष्ट्रीय केट टीम की तरफ से साफा पहनाकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में कैट व्हाट्सएप के जरिये व्यापार को कैसे और बेहतर बना सकते है इसपर भी चर्चा की। व्हाट्सएप की प्रियंका जैन व उनकी टीम जो मुम्बई से आई थी उन्होंने भी व्यपारियो के सामने व्यापार में व्हाट्सएप के जरिये कैसे वृद्धि करे इस पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को देश में बढ़ते डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग से अवगत कराना था और ये बताना था कि व्यापार करने के तौर तरीके में भी बड़ा परिवर्तन हो रहा है। आज डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए व्यापार करना, अकाउंट रखना तथा अन्य सभी प्रकार के व्यापारिक कार्य जल्दी एवं अच्छी तरह से संपन्न हो रहे हैं। अब व्यापारियों को भी अपने व्यापार के तौर तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है। राजस्थान कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के मानद अध्यक्ष के एल जैन, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण अग्रवाल भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के सह-कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल ,कैट के राजस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गोयल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र बज ने जैन समाज द्वारा चलाया जा रहे आंदोलन के संदर्भ में निम्न प्रस्ताव रखा ₹व्यापारिक सम्मेलन भारत सरकार व राजस्थान सर कार से माँग करता है कि सर्व समाज के सभी साधु संतों के प्रवास एवं विहार में प्रशासन द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था की जावे वह यदि किसी आकस्मिक तत्वों द्वारा कोई अभद्र कार्य किया जाता है तो उस पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में त्वरित कार्रवाई कर दंड का प्रावधान हो। उपरोक्त प्रस्ताव को व्यापारिक सम्मेलन में उपस्थित सभी व्यापारिक नेताओं ने सर्वसम्मति से दोनों हाथ खड़े कर समर्थन व अनुमोदन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महावीर इंटरनेशनल मरुधर, अहमदाबाद द्वारा कृत्रिम हाथ लगाने का शिविर सम्पन्न

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल मरुधर, अहमदाबाद के तत्वावधान में ओसवाल भवन, शाहीबाग अहमदाबाद में दो दिवसीय कृत्रिम हाथ लगाने का निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। महावीर इंटरनेशनल मरुधर, अहमदाबाद के अध्यक्ष वीर विनोद संकलेचा ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ पुणे डाउनटाउन के सहयोग से कृत्रिम हाथ लगाने का निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 से भी ज्यादा हाथ निशुल्क लगाए गए। कृत्रिम हाथ अमेरिका की एक कंपनी द्वारा निर्मित किए जाते हैं, जिसे लगाने के बाद में व्यक्ति कुछ भी कार्य कर सकते हैं। जैसे खाना बनाना, गाड़ी चलाना, कंप्यूटर पर वर्क करना एवं व्यक्ति अपना स्वयं के सारे काम वह कर सकता है। उस कृत्रिम हाथ का वजन लगभग 400 ग्राम के हैं और वह हाथ लगाने के समय व्यक्ति को कोई भी दर्द नहीं होता है। कृत्रिम हाथ लगाने के बाद में कोई भी मेंटेनेंस नहीं है। इस कैंप को सफल बनाने में श्रीमती शांतिदेवी गणेशमलजी भंसाली परिवार धानसा (जालोर) राज. जैन बैग वालों का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। कैंप का उद्घाटन सत्र ओसवाल भवन अहमदाबाद में रखा गया था।

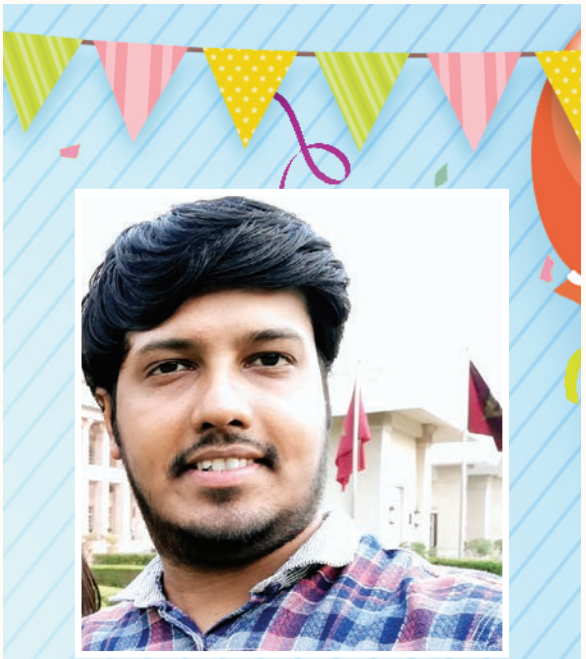

श्री प्रिंस पाटनी

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई

22 जुलाई

मोबाइल नंबर @ 9884281425

शुभेच्छु

पदम - रानी पाटनी(पिता - माता)

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

दिनांक	मुख्य अतिथि	विशिष्ट अतिथि	दीप प्रज्वलनकर्ता	चित्र अनावरणकर्ता
21-07-2023	श्री मनोज जी सौगानी	श्री नारायन्द जी दिव्य जी संजय जी अभय जी पाटनी	श्री कैलाश चन्द जी रमेश जी सेठी श्री आलोक जी मित्तल	श्री चाँदमल जी बाकलीवाल
22-07-2023	श्री सुधांशु जी कासलीवाल	श्री राजेश जी गंगवाल	श्री उत्तम कुमार जी पाण्ड्या	श्री अजय जी कटारिया
23-07-2023	श्री विनय जी सौगानी	श्रीमती सरला जी जैन	श्री विनोद जी तिजारिया	श्री राजेश जी रांवका
24-07-2023	श्री उमरावमल जी संघी	श्री देवप्रकाश जी खण्डाका	श्री अनिल जी जैन बनेठा	श्री धर्मचन्द जी पहाड़िया
25-07-2023	श्री कैलाशचन्द जी माणकचन्दजी रमेश चन्द जी सोलिया	श्री सुनील जी बख्शी	श्री महेश जी काला	श्री अशोक जी जैन 'नेता'

जैन मिलन ने ली सत्य एवम निष्ठा से कार्य करने की शपथ

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना, जौरा। जैन मिलन शाखा जौरा का शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। समारोह के मध्य मेधावी बच्चों को सम्मानित भी किया गया। समारोह के शुभारंभ में बीरांगना रजनी जैन ने अपनी टीम के साथ भगवान महावीर बंदना एवम पाठशाला के बच्चों द्वारा मंगलाचरण किया गया । पधारे हुए अथितियों द्वारा चित्र अनावरण एवम दीप प्रज्वलित किया गया। जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जैन ने सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों एवम सदस्यों को निष्ठा एवम ईमानदारी से कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जैन मिलन के सभी धार्मिक सामाजिक एवं सेवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को कितनी आसानी और सहजता से किया जा सकता है हमारी शाखा के वीर वीरांगनाओं से सीखना चाहिए । हैं अभी को उनकी मेहनत पर अमल कर आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। शपथ ग्रहण समारोह के मध्य स्थानीय प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया । जिन स्थानीय मेंधावी बच्चों ने इस वर्ष परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया था उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पधारे हुए सभी अथितियों का साधर्मी बंधुओं ने शाल, श्रीफल, पगड़ी, तिलक लगाकर सम्मान किया । अंत में बीरांगना रजनी जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पधारे हुए भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय क्षेत्रीय अतिथिगण राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर राजेश जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर राकेश, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीरांगना रेखा भिण्ड, क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना सरिता मुरैना, कार्यकारिणी सदस्य कल्पना ग्वालियर, स्थानीय स्थितियों में टिकटोली के महामंत्री ओमप्रकाश जैन, जैन समाज जौरा के अध्यक्ष शीतलप्रसाद जैन, संतोष जैन, पारस जैन, रजनी जैन, भावना जैन उपस्थित रहीं ।

गुरु ज्ञान से करते है जीवात्मा का कल्याण : श्रीगिरिराज शास्त्री

सजाई गई दीपदान कांच के बंगले की आकर्षक झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। अधिक मास के अवसर पर श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति व श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल,जयपुर के बैनर तले मोहनबाड़ी स्थित श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में श्री गोवर्धन नाथ जी प्रभु व मथुराधीष स्वामी प्रभु के मनोरथों के दर्षन व 56 भोग महामहोत्सव के तहत आयोजित श्रीमद भागवत कथा में शुक्रवार को बड़ोदरा निवासी श्रीगिरिराज शास्त्री ने व्यास पाठ से कहा कि जो भक्त भगवान के शरण में आता है भगवान उसके सारे कार्य पूर्ण करते है। भगवान जब भक्त पर कृपा करते हैं,तो उसके जीवन में एक सदगुरु भेजते हैं,सदगुरु अपने व्यवहारज्ञान से जीवात्मा का कल्याण करते हैं। जैसे शुकदेव जी ने परीक्षित के लिए किया। भागवत के मुख्य साधन के रूप में तीव्र भक्ति के द्वारा पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण की भक्ति ही उत्तम है। जीवन में जो सच्चे व निष्काम भाव से ईष्वर की भक्ति करता है,वहीं सच्ची भक्ति कहलाती है। उन्होंने आगे बताया कि राजा परीक्षित के मन में आई हुई लघुता ग्रंथी व डर को साधना आत्मीयता शरणागत आत्मीयता से दूर किया। उन्होंने आगे यह भी बताया कि श्री व्यास जी ने श्रीमद्भागवत के प्रारंभ में सत्य की वन्दना की गई है क्योंकि सत्य व्यापक होता है सत्य सर्वत्र होता है और सत्य की चाह सबको होती है। पिता अपने पुत्र से सत्य बोलने की अपेक्षा रखता है भाई भाई से सत्य पर चलने की चेष्टा करता है मित्र मित्र से सत्यता निभाने की कामना रखता है यहां तक की चोरी करने वाले चोर भी आपस में सत्यता बरतने की अपेक्षा रखतेहै, इसलिए प्रारंभ में श्रीवेदव्यास जी ने सत्य की वंदना के द्वारा मंगलाचरण किया है और भागवत कथा का विश्राम ही सत्य की वन्दना के द्वारा ही किया है। इसीदिन साम को दीपदान कांच के बंगले की झांकी सजाई गई। कार्यक्रम संयोजक नटवर गोपाल मालपानी ने बताया कि महोत्सव के तहत सुबह भक्ति भाव से वाणारसी, मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल, सिरोंजी, जयपुर, बड़ौदा,जयपुर व सूरत से आए 131 विद्धानों ने श्रीमद भागवत के मूलपाठ किए। 28 जुलाई तक रोजाना सुबह 6 से 1 बजे तक सस्वर मूलपाठ व कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 7 बजे तक होगी। महोत्सव के तहत 30 जुलाई को 56 भोग,31 जुलाई को मोती महल व मोती के महल का मनोरथ की झांकी सजाई जाएगी। समापन 1 अगस्त को कमल तलाई में छतरी का मनोरथ झांकी से होगा।

सत्ता का ख्वाब

सत्ता में वापस से आने का ख्वाब,
उस मगरूर नशे में चूर,
राजा के सीने में कुछ
इस तरह से पल रहा था
वो सिंहासन बैठा हट्टाहास कर रहा था
वो जल रहा था या जलवाया जा रहा था
इधर उधर की बातों से भोली भाली जनता
का मन बहलाया जा रहा था ।
मुफ्त वाली रेवड़ियों का थेला
हर किसी के हाथों पकड़ाया जा रहा था।
सत्ता के गलियारों में वापस
आने की खातिर
मसला कुछ इस तरह से
सुलझाया जा रहा था।
भाइयों को भाइयों से आपस में
लड़वाया जा रहा था।
मानवीयता भी अब यहां शर्मसार थी।
यह उसकी जीत के बाद
की सबसे बड़ी हार थी।
अमृत काल में यह कैसी
जहर भरी बौछार थी।
बेआबरू हो चुके थे जो पहले ही ,
उनकी जुबान लाचार थी।
इंसानियत भी अव यहां तार तार थी।
मेरी कलम भी अब रो रही थी ।
शायद लोकतंत्र की ये सबसे बड़ी हार
थी।
मां भारती की आंखे भी जार जार थी।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार